DAINIK BHASKAR, Mumbai, 10.11.2023
Page No. 1, Size:(8.76)cms X (3.89)cms.

भास्कर खास • ट्रेनिंग के लिए जापान भेजे जाएंगे पायलट, 20 ड्राइवरों की होगी नियुक्ति; प्रक्रिया शुरू

सूरत-बिलिमोरा के बीच 2026 में चलेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद के बीच बनाई जा रही बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए पायलट (चालक) की खोज नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) ने शुरू कर दी है। इसके लिए 20 चालक भर्ती किए जाएंगे, जिसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होगी। आवेदकों के पास वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी एक्सप्रेस या मेट्रो ट्रेन चलाने का तीन साल का अनुभव होना चाहिए। उम्र 35 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयन के बाद इन लोगों का साइकोमेट्रिक-मेडिकल टेस्ट होगा। इसके बाद चयनित लोग बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग के लिए लोग जापान जाएंगे। जापान के अनुभवी चालक तकरीबन साल भर इन्हें प्रशिक्षण देंगे। देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरात के सूरत-बिलिमोरा के बीच अगस्त, 2026 में चलाने का लक्ष्य है। उक्त दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी 50 किमी है। जिन 20 पायलट की नियुक्ति होगी उनमें सामान्य वर्ग के लिए 10, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 5, अनुसूचित जाति के लिए 3 और अनुसूचित जनजाति व आर्थिक रूप से कमजोर (ईओडब्ल्यू) वर्ग के लिए 1-1 पद आरक्षित हैं।

320 किमी प्रति घंटा रफ्तार

अहमदाबाद-मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन 320 किमी प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ेगी। ई5 सीरीज की यह बुलेट ट्रेन हिताची और कावासाकी हैवी इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित जापानी शिंकानसेन हाई-स्पीड ट्रेन जैसी ही है।

फरवरी तक पूरी होगी भर्ती प्रक्रिया

बुलेट ट्रेन पायलट की भर्ती प्रक्रिया फरवरी, 2024 तक पूरी होगी। इस दौरान कई टेस्ट और जांच होगी। अगले साल मई-जून तक इन्हें जापान भेजा जाएगा। वहां पर पहले सिमुलेटर और क्लास रूम ट्रेनिंग होगी। इसके बाद बुलेट ट्रेन चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। जापान के ट्रेनर ही इन्हें सर्टिफिकेट देंगे। पायलट को 40 हजार से 1.25 लाख रुपए मूल वेतन मिलेगा।

- मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के लिए 20 पायलट की नियुक्ति के लिए 7 दिसंबर तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद फिटनेस, मेडिकल टेस्ट भारत में किया जाएगा। इसमें जापान के विशेषज्ञ हमारी मदद करेंगे। चयनित लोग साल भर की ट्रेनिंग के लिए जापान भेजे जाएंगे। -**प्रवक्ता**, एनएचआरसीएल

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 10.11.2023
Page No. 10, Size:(8.76)cms X (3.89)cms.

जापान में ट्रेनिंग पाए पायलट चलाएंगे देश की पहली बुलेट ट्रेन

20 पायलट भेजे जाएंगे पहले बैच में | इससे पहले सिखाई जाएगी जापानी लैंग्वेज

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

नई दिल्ली: मुंबई से गुजरात के साबरमती तक 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन के लोको पायलट (LP) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन पायलटों को दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन मैनेजमेंट से ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ट्रेनिंग पीरियड एक साल का होगा। पायलटों को जापान भेजने से पहले जापानी लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी, ताकि ट्रेनिंग के दौरान इन्हें कोई दिक्कत न हो।

नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि जो भी LP सेलेक्ट होंगे, उन्हें भारतीय रेल या मेट्रो चलाने का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। मानसिक और शारीरिक तौर पर वे एकदम स्वस्थ होने चाहिए। कुछ बातों को छोड़ दें तो भर्ती का क्राइटेरिया भारतीय रेलवे जैसा होगा। पहले बैच में 20 हाई स्पीड ट्रेन पायलटों की भर्ती की जा रही है। उम्मीद है कि अगले साल जनवरी-फरवरी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

2026 तक 50 किमी रूट पर दौड़ने लगेगी

- बुलेट ट्रेन का पहले चरण में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा वाले 50 किमी के रूट पर ट्रायल रन होगा। अगस्त 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।
- 2027 तक बुलेट ट्रेन की सर्विस बड़े रूट तक शुरू कर हो जाएगी। मुंबई से साबरमती तक 12 स्टेशन होंगे। ■ इनमें सीमित स्टेशनों पर रुकते हुए यह ट्रेन 508 किलोमीटर की दूरी दो घंटे सात मिनट और सभी स्टेशनों पर रुकते हुए यह दूरी दो घंटे 58 मिनट में पूरा करेगी।

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

जापान के बुलेट ट्रेन सिस्टम को क्यों अपना रहा भारत?

देश की पहली बुलेट ट्रेन को चलाने के लिए तेजी से काम चल रहा है। कुल 508 किलोमीटर के रूट में से 352 किलोमीटर पर काफी काम हो चुका है। एक्सपर्ट का कहना है कि इस रूट पर कामयाबी मिलने के बाद देश के अन्य रूटों पर भी बुलेट ट्रेन दौड़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसकी अधिकतम स्पीड 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी, लेकिन यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। तेज रफ्तार के साथ ही सुरक्षा से समझौता न हो, इसके लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली शिनकानसेन बुलेट ट्रेन सिस्टम को अपनाया जा रहा है। 1964 से शुरू इस ट्रेन सिस्टम से आज तक एक भी यात्री की मौत नहीं होने का दावा किया गया है। ऐसे में भारत अपनी तरफ से बेस्ट सिस्टम को अपनाते हुए देश में बुलेट ट्रेन को लॉन्च करने की तैयारी में है।

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 11.11.2023
Page No. 1, Size:(13.37)cms X (12.49)cms.

जापान में ट्रेनिंग लेने के बाद भारत की पहली बुलेट ट्रेन चलाएंगे लोको पायलट

Maneesh.Aggarwal
@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली:** मुंबई से साबरमती (गुजरात) तक 508 किलोमीटर की दूरी में चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन के लोको पायलट (LP) की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन पायलटों को दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जापान की शिनकानसेन बुलेट ट्रेन मैनेजमेंट से ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। ट्रेनिंग पीरियड एक साल का होगा। पायलटों को जापान भेजने से पहले जापानी लैंग्वेज भी सिखाई जाएगी, ताकि ट्रेनिंग के दौरान इन्हें कोई दिक्कत न हो। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अधिकारियों ने बताया कि जो भी LP सिलेक्ट होंगे, उन्हें भारतीय रेल या मेट्रो चलाने का कम से कम तीन साल का अनुभव होना चाहिए। मानसिक और शारीरिक तौर पर वे एकदम स्वस्थ होने चाहिए। कुछ बातों को छोड़ दें तो भर्ती की तमाम क्राइटेरिया भारतीय रेलवे जैसी होगी। पहले बैच में 20 हाई

स्पीड ट्रेन पायलटों की भर्ती की जा रही है। उम्मीद है कि अगले साल जनवरी-फरवरी तक भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। मई-जून 2024 तक पायलटों के पहले बैच को शिनकानसेन बुलेट ट्रेन से ट्रेनिंग दिलाने के लिए जापान भेज दिया जाएगा। बुलेट ट्रेन का पहले चरण में गुजरात के सूरत से बिलिमोरा वाले 50 किलोमीटर के रूट पर ट्रायल रन होगा। इसके अगस्त 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। 2027 तक बुलेट ट्रेन की सर्विस बड़े रूट तक शुरू कर हो जाएगी। मुंबई से साबरमती तक 12 स्टेशन होंगे।

NBT Lens
समझिए खबरों के अंदर की बात

जापान के सिस्टम को क्यों अपना रहा भारत?

देश की पहली बुलेट ट्रेन को चलाने के लिए तेजी से काम चल रहा है। इस रूट पर कामयाबी मिलने के बाद देश के अन्य रूटों पर भी बुलेट ट्रेन दौड़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा। अधिकतम स्पीड 350 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी, लेकिन यह 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। तेज रफ्तार के साथ ही सुरक्षा से समझौता न हो, इसके लिए दुनिया की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली शिनकानसेन बुलेट ट्रेन सिस्टम को अपनाया जा रहा है। 1964 से शुरू इस ट्रेन सिस्टम से आज तक एक भी यात्री की मौत नहीं होने का दावा किया गया है।